CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान ने करनाल में राष्ट्रीय दूध दिवस मनाया

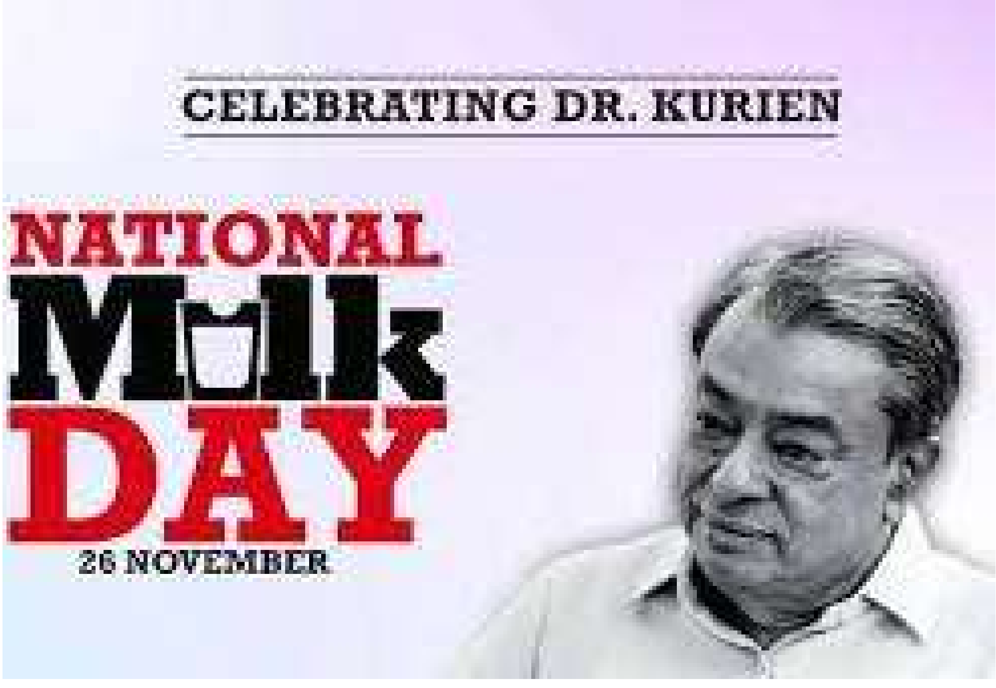

राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई), करनाल ने भारत की श्वेत क्रांति के पीछे के दूरदर्शी डॉ. वर्गीस कुरियन की 102वीं जयंती का सम्मान करते हुए 26 नवंबर को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया। आईसीएआर-एनडीआरआई के निदेशक और कुलपति धीर सिंह ने डॉ. कुरियन के 'ऑपरेशन फ्लड' की सराहना की, जिसने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बनने के लिए प्रेरित किया।

सिंह ने भारत के डेयरी उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली एनडीआरआई की सदियों पुरानी विरासत पर प्रकाश डाला। विशेष रूप से, भारत का दूध उत्पादन 61% बढ़कर 2021-22 में 221.1 मिलियन टन तक पहुंच गया। सिंह ने डेयरी क्षेत्र के 4.5% जीडीपी योगदान पर जोर दिया, जिसका मूल्य 10 लाख करोड़ रुपये है।

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के महत्व को स्वीकार करते हुए, उन्होंने दूध की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आईसीएआर-एनडीआरआई की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले एनडीआरआई ने बी.टेक द्वारा "माइटीमिक्स" जैसे सफल स्टार्टअप देखे हैं। स्नातक, अब अभिनव "सप्त-अनाज बाजरा कुकीज़" लॉन्च कर रहे हैं।

गोवा सरकार ने स्थानीय दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किसानों से समर्थन की अपील की

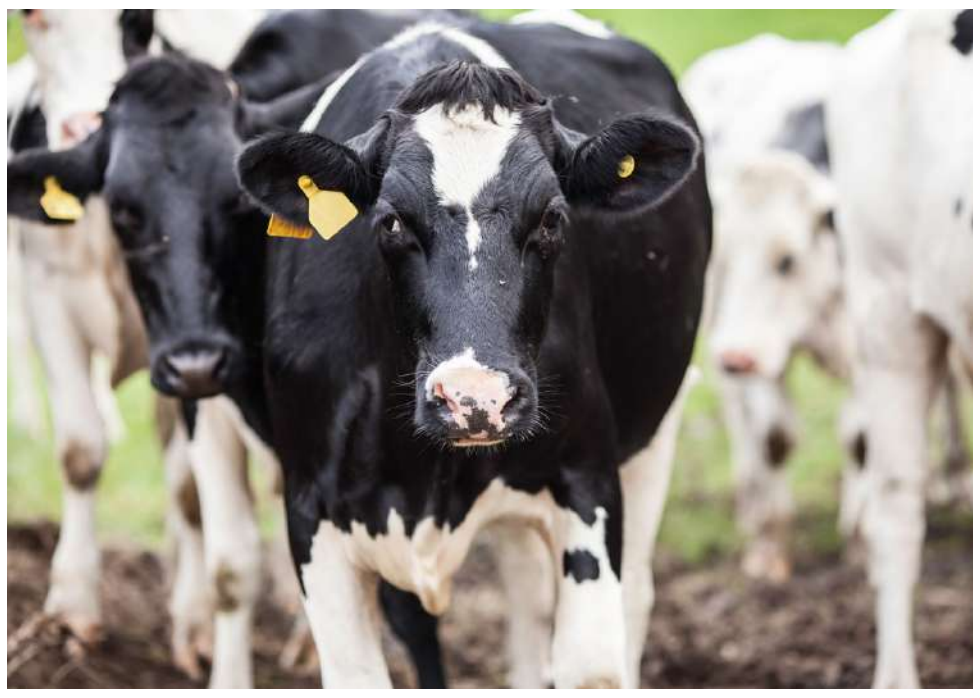

मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने गोवा में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए स्थानीय किसानों के सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। वर्तमान में, राज्य में प्रतिदिन 44 लाख लीटर दूध की खपत होती है, जिससे सरकार को बाहरी दूध की खरीद को कम करने के तरीके तलाशने पर मजबूर होना पड़ता है।

सावंत ने गौशालाओं द्वारा देखभाल की जाने वाली स्थानीय गाय की नस्लों के संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए गाय के प्रजनन और दूध उत्पादन को बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने स्वदेशी मवेशियों से प्राप्त उत्पादों के लाभों पर प्रकाश डाला।

बलिप्रतिपदा पर बोलते हुए, सावंत ने कुडने में गोमांचल डेयरी फार्म का दौरा किया, गाय की पूजा की और डेयरी में योगदान देने वाले दूध उत्पादकों को सम्मानित किया। वार्षिक कार्यक्रम, जिसे स्थानीय रूप से 'गोरवांचो पाडवो' के नाम से जाना जाता है, स्थानीय दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

बुटीबोरी में नया ₹550 करोड़ का मदर डेयरी प्लांट जल्द, गडकरी ने घोषणा की

गडकरी ने कंपनी से क्षेत्र में छूट के बराबर राशि निवेश करने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने इथेनॉल पर चलने वाली टोयोटा इनोवा का प्रदर्शन किया और मारुति सुजुकी, बजाज और टीवीएस द्वारा 100% इथेनॉल-ईंधन वाले वाहनों के आगामी लॉन्च की घोषणा की। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के चेयरमैन ने प्रदूषण को कम करने, ईंधन की लागत कम करने और बायो-एथेनॉल के लिए बांस उगाने वाले उत्तर पूर्व में किसानों का समर्थन करने के लिए पेट्रोल और डीजल के साथ इथेनॉल मिश्रण करने के गडकरी के दृष्टिकोण के अनुरूप इथेनॉल वेंडिंग पंप स्थापित करने का वादा किया।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एग्रोविजन किसान एक्सपो के दौरान बुटीबोरी में ₹550 करोड़ के मदर डेयरी प्लांट की योजना का खुलासा किया। भूमि पूजन समारोह कंपनी को दिए गए कर लाभ, एक विशेष मामले में छूट के साथ हुआ।

मंत्री ने राज्यव्यापी सूखे के बीच चारे की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया

कर्नाटक के पशुपालन, पशु चिकित्सा विज्ञान और रेशम उत्पादन मंत्री के वेंकटेश ने अधिकारियों को 226 घोषित तालुकों में प्रचलित सूखे से निपटने के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उपायों में तेजी लाने का निर्देश दिया। जिला परिषद कार्यालय में एक बैठक में, मंत्री ने अन्य राज्यों में चारे की आवाजाही को प्रतिबंधित करने और मवेशियों के बीच गांठदार त्वचा रोगों को रोकने के लिए शीघ्र हस्तक्षेप पर जोर दिया।

वेंकटेश ने हाल ही में लॉन्च किए गए किसान पंजीकरण और एकीकृत लाभार्थी सूचना प्रणाली (FRUITS) पोर्टल के माध्यम से किसानों को चारा बीज के वितरण का आह्वान किया। 22 सप्ताह के चारे के भंडार का आश्वासन देते हुए, उन्होंने अधिकारियों से स्थिति का आकलन करने और कम दूध खरीद दरों के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिए गांवों का औचक दौरा करने का आग्रह किया।

मंत्री ने चुनौतीपूर्ण सूखे परिदृश्य के सामने त्वरित कार्रवाई के महत्व को रेखांकित करते हुए अधिकारियों द्वारा अनुशंसित चारा खरीद मूल्य की समीक्षा करने का वादा किया।

महाराष्ट्र ने पांच वर्षों में किसानों को 12.5 लाख गोवंश उपहार देने की महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया

महाराष्ट्र का पशुपालन विभाग विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मवेशी अभियान की तैयारी कर रहा है, जिसमें अगले पांच वर्षों में किसानों को 12.5 लाख से अधिक मवेशी उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई इस पहल में कृत्रिम प्रजनन, सरोगेट गर्भावस्था और केंद्रीय सब्सिडी के माध्यम से मिनी रेंच प्रोत्साहन जैसे तरीके शामिल हैं।

इस रणनीति का लक्ष्य डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण, चारा और संबंधित उद्योगों को शामिल करते हुए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने किसान प्रदर्शनी एग्रोविजन के समापन समारोह के दौरान इस योजना पर प्रकाश डाला।

राज्य पशु आपूर्ति के लिए केंद्र के राष्ट्रीय गोकुल मिशन के साथ सहयोग करने की योजना बना रहा है और उद्यमियों को नस्ल गुणन कार्यक्रम के तहत पशु फार्म स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसमें 200 गायों वाले फार्मों के लिए 50% तक सब्सिडी की पेशकश की जाती है। इस कदम का उद्देश्य डेयरी उद्योग के विकास को बढ़ावा देकर गांवों में बड़े पैमाने पर डेयरी फार्मिंग को बदलना है। दूसरे राज्यों से भी टेंडर निकाल कर मवेशी खरीदे जायेंगे. किसानों को एक या दो दुधारू पशु देने के बजाय गांवों में बड़े पैमाने पर डेयरी फार्मिंग विकसित करने का विचार है।

सीइडीएसआई वर्कशॉप सीरीज

सीईडीएसआई ने बागवानी प्रशिक्षण संस्थान, करनाल के सहयोग से 29 नवंबर, 2023 को एचटीआई में सतत डेयरी विकास पर एक डेयरी हितधारक कार्यशाला का आयोजन किया।

सीईडीएसआई ने एचटीआई करनाल में श्रृंखला की अपनी चौथी कार्यशाला का आयोजन किया है। इस कार्यशाला में कुरूक्षेत्र, केहटल और करनाल क्षेत्र के डेयरी किसानों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रतिष्ठित वक्ताओं में श्री शामिल थे। सीईडीएसआई के मुख्य परिचालन अधिकारी जसवंत सिंह कलसी, प्रख्यात डेयरी पेशेवर डॉ. हरसेव सिंह, पशु पोषण, पशु नस्ल सुधार और पशुधन उत्पादन और प्रबंधन के विशेषज्ञ डॉ. रमन मलिक, डॉ. विकास वोहरा और डॉ. पवन सिंह के साथ बातचीत की। किसानों को अपने-अपने क्षेत्रों में डेयरी विकास के लिए। एचटीआई के प्रिंसिपल डॉ. जोगिंदर सिंह ने बागवानी, डेयरी, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन और सूअर उत्पादन से जुड़ी एकीकृत खेती को अपनाने पर जोर दिया। कुरुक्षेत्र-करनाल दुग्ध संघ के पेशेवरों ने डेयरी किसानों को दूध के कुशल और पारदर्शी विपणन के लिए सहकारी प्रणाली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। यह कार्यशाला डेयरी को एक स्थायी और सहायक आय-सृजन व्यवसाय के रूप में विकसित करने में आने वाली बाधाओं और अवसरों को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसने किसानों, शिक्षाविदों और सीईडीएसआई के मिशन से जुड़े पेशेवरों के बीच ज्ञान और विचारों के सार्थक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया।

सीईडीएसआई सहयोगात्मक समाधान की सुविधा प्रदान करता है: पंजाब डेयरी किसानों के साथ फोकस समूह चर्चा

भारत में डेयरी कौशल उत्कृष्टता केंद्र (सीईडीएसआई) पूरे पंजाब में डेयरी किसानों के साथ फोकस समूह चर्चाओं की एक श्रृंखला आयोजित करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस पहल का प्राथमिक लक्ष्य किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों की गहन समझ हासिल करना और सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से अनुरूप समाधान तैयार करना है। डेयरी फार्मिंग समुदाय के साथ सक्रिय रूप से प्रत्यक्ष जुड़ाव द्वारा, सीईडीएसआई क्षेत्र की विशिष्ट आवश्यकताओं से निपटने के लिए समर्पित है। इसका उद्देश्य न केवल चुनौतियों का समाधान करना है, बल्कि पंजाब के डेयरी क्षेत्र के समग्र विकास और लचीलेपन में महत्वपूर्ण योगदान देना भी है।

हम कौन हैं?

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) के तत्वावधान में काम करने वाली एक स्वायत्त संस्था "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (CEDSI)", किसानों की आजीविका के सशक्तिकरण और बेहतरी में मदद करने के लिए, वेतनभोगी कर्मचारी, और डेयरी मूल्य श्रृंखला में अन्य हितधारक।

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

CEDSI

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Consultative and advisory services to help members
- Access to our Journal and Publications
- Consulting and advisory services to help members
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives | NGO's/CSR Foundations | Dairy Farmers | Students | Professional

www.cedsi.in @cedsi_india

Skill India
कौशल भारत - कुशल भारत

ASCI
Agriculture Skill Council of India

CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया